प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

1. **जिलाधिकारी/अध्यक्ष, जिला स्वास्थ्य समिति,**
   जनपद पीलीभीत।

2. **मुख्य चिकित्साधिकारी,**
   जनपद पीलीभीत ।

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2019–20/5771-2 दिनांकः 03.09.2019

विषयः– राज्य स्तरीय दल द्वारा जनपद पीलीभीत में दिनांक 04–06 सितम्बर, 2019 में किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की आख्या पर कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया एस0पी0एम0यू0 कार्यालय पत्र सं0 SPMU/NHM/M&E/2019-20/18/2867-2 दिनांक 01-07-2019 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। जिसके क्रम में, राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक **04–06 सितम्बर 2019** तक जनपद पीलीभीत की चिकित्सा इकाईयों का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया गया। राज्य स्तरीय दल द्वारा जनपद में ब्लाक एवं उपकेन्द्र स्तर की चिकित्सा इकाईयों का स्थलीय पर्यवेक्षण के दौरान प्रकाश में आये बिन्दुओं के आधार पर भ्रमण आख्या प्रस्तुत की गयी है जो कि पत्र के साथ संलग्न कर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

आपसे अनुरोध है कि सम्बन्धित बिन्दुओं पर आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नकः पर्यवेक्षण आख्या।

भवदीया

(जसजीत कौर)
अपर मिशन निदेशक

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2019–20 तद्दिनांक

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित–

1. मण्डलायुक्त, बरेली मण्डल, उ0प्र0।
2. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, बरेली मण्डल।
3. अधिशासी अभियन्ता, समस्त महाप्रबन्धक/अनुभागाध्यक्ष, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, उ0प्र0।
4. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक/रीजनल मैनेजर (आशा) एन0एच0एम0, बरेली मण्डल को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
5. जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, पीलीभीत को पर्यवेक्षण आख्या के सापेक्ष आवशयक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(विवेक दिवेद्वी)
महाप्रबन्धक प्रोक्योरमेंट/
मण्डलीय नोडल अधिकारी

जनपद स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भ्रमण

जनपद : पीलीभीत **दिनांक :04–06 सितम्बर 2019**

जनपद **पीलीभीत** की सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की संक्षिप्त आख्या निम्नवत् है–

क्रस	चिकित्सा इकाई	अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
1	**राष्ट्रीय कृमि दिवस (एन0डी0डी0) ग्राम खनंका, उचसिया**	राज्य स्तरीय दल क सदस्यों के पहुचने तक ग्राम के प्राथमिक विद्यालय खनंका में छुट्‌टी हो जाने के कारण विद्यालय के शिक्षक गण से सम्पर्क किया गया तथा राष्ट्रीय कृमि दिवस सप्ताह के दौरान विद्यार्थियों को खिलाई गई कीडे की दवा के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। इसके बाद दल द्वारा ग्राम का भ्रमण किया गया एवं जनसमुदाय से उनके बच्चों को खिलाई गई दवा के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। पता चला कि गॉव से बाहर होने एवं स्कूल न जा पाने के कारण कुछ बच्चे दवा से वंचित रह गए है , उनको कीडे की दवा खिलाई जानी है।	भ्रमण के दौरान उपस्थित आशा एवं बी0सी0पी0एम0 को ऐसे बच्चों को लिस्ट तैयार करके उनके गॉव वापस आने पर शीध्र दवा खिलाने का सुझाव दिया गया।	बी0सी0पी0एम0 / आशाा
	ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस, ग्राम खनका,	सत्र का आयोजन उपकेन्द्र पर किया जा रहा था। आई0ई0सी0 पोस्टर आदि का उचित प्रबन्धन किया गया था। **ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस** सम्बन्धी बैनर स्थल पर नहीं था। सुपोषण अभियान संचारी रोग नियंत्रण के बैनर लगे पाए गए। सत्र में उपस्थित ए0एन0एम0 श्रीमती सुषमा वर्मा एवं आशाा रेशमा देवी के पास बैनर उपलब्ध भी नहीं था।	ए0एन0एम0 एव आशाा द्वारा अवगत कराया गया कि उनको बैनर प्राप्त नहीं हुआ है। राज्य स्तरीय दल द्वारा बी0सी0पी0एम0 को सत्र सम्बन्धी बैनर उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / डी0सी0पी0एम0

		सत्र पर ग्राम सुपोषण दिवस का आयोजन किया जा रहा था। सुपोषण सम्बन्धी आनाज एवं फलों से जुडे स्वास्थ्य लाभ के बारे में जनसमुदाय को जानकारी प्रदान किये जाने हेतु व्यवस्थित ढंग से मेज पर सजाया गया था। उपकेन्द्र पर ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर समुदाय को प्रदान की जाने वाली दवाईयां आदि भी वहां रखी हुई थी। विटामिन ए का चम्मच प्रयोग उपरांत ऐसे ही रखा हुआ पाया गया।	दल द्वारा सुपोषण दिवस सम्बन्धी सामग्री एवं इंजेक्शान व दवाईयों को अलग अलग रखने को कहा गया एवं दवाईयां व्यवस्थित ढंग से रखवाई गई। विटामिन ए की खुराक प्रत्येक बच्चे को देने के उपरांत उसका चम्मच रूई से पोछने के बाद ही प्रयोग करने का सुझाव दिया गया। बी0सी0पी0एम0 को भी सत्र नियमित अनुश्रवण करने हेतु सुझाव दिया गया।	बी0सी0पी0एम0 / ए0एन0एम0
		टीकाकरण की ड्यू लिस्ट चेक की गई जो कि सही पाई गई एवं अपडेट मिली।	राज्य स्तरीय दल द्वारा ए0एन0एम0 महोदया से लिस्ट के महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए हमेशा लिस्ट अपडेट रखने हेतु सुझाव दिया गया।	बी0सी0पी0एम0 /ए0एन0एम0 / आशाा
		सत्र में उपस्थित आशा अपनी ड्रेस में थी, किन्तु आशा का बैग उनके पास नहीं था। आशाा को प्राप्त दवाईयों तथा परिवार नियोजन की अस्थाई गर्भ निरोध सामग्री गोली, कंडोम का कोई रिकार्ड उपलब्ध नहीं था।	आशाा को सत्र के दौरान हमेशा अपना बैग साथ में लेकर एवं प्राप्त सामग्रियों का रिकार्ड रखने को कहा गया। ए0एन0एम0 से भी इस पर ध्यान देने को कहा गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0
		आशाा डायरी की स्थिति ठीक नहीं पाई गई। विशिष्ट परिवार संख्या कही भी दर्ज नहीं पाई गई। पूछने पर आशाा से कोई संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं हुआ।	दल द्वारा आशा को डायरी में विशिष्ट परिवार संख्या के महत्व के बारे में बताया गया एवं यथाशाीघ्र इसको सही करने हेतु सुझाव दिया गया। उक्त के सम्बन्ध में बी0सी0पी0एम0 एवं प्रभारी चिकित्साधिकारी को भी सुझाव दिया गया कि वह समस्त आशाओं को माह में होने वाली बैठक के दौरान आशाा डायरी में मांगी गई समस्त सूचनाओ के महत्व के बारे में बताते हुए उनको डायरी व्यवस्थित रूप से भरने को कहे। ए0एन0एम0 से भी इस पर ध्यान देने को कहा गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0 / आशाा

		ग्राम भ्रमण के दौरान आशाा द्वारा अवगत कराया गया कि गांव में एक महिला वर्तमान में गर्भवती है उसके पहले बच्चे का प्रसव घर पर ही हुआ है। अतः राज्य स्तरीय दल द्वारा आशा के साथ उस महिला के घर का भ्रमण किया गया। जानकारी प्राप्त हुई कि महिला का नाम सुश्री आरती पत्नी श्री राम बाबू है। प्रथम बच्चे के जन्म के समय, अचानक प्रसव पीडा होने के समय, पति के घर पर न होने की स्थिति में, घर की महिलाओं द्वारा उसका घर पर ही प्रसव किया गया। आशा उसके घर पर नियमित रूप से एच0बी0एन0सी0 हेतु आती रहती है।	दल द्वारा महिला एवं उसकी सास को संस्थागत प्रसव के महत्व के बारे मे समझाया गया तथा ऐसी परिस्थिति में निःशुल्क 102 एम्बूलेंस का प्रयोग करने के तरीके के बारे मे बताया गया ताकि दुबारा ऐसी परिस्थिति उत्पन्न हो । साथ ही भ्रमण में उपस्थित बी0सी0पी0एम0 व आशा को महिला को आवश्यक स्वास्थ्य सेवायें चिकित्सा इकाई पर उपलब्ध कराने हेतु सुझाव दिया गया।	आशा / ए0एन0एम0 / बी0सी0पी0एम0
क्रस	चिकित्सा इकाई	अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बीसलपुर, डा0 ठाकुर दास गंगवार, प्रभारी चिकित्साधिकारी	• परिसर मे विभिन्न परिवार कल्याण योजनाओं से सम्बन्धित जनमानस को सूचना हेतु दीवार लेखन किया गया था, जो कि काफी पुराना प्रतीत हो रहा था। पोस्टर आदि भी व्यापक रूप से लगे हुए नहीं थे। • चिकित्सालय परिसर में वयापक साफ सफाई नहीं पायी गई। यही हाल शौचालय का भी पाया गया, जिसका कारण सफाई कर्मी की कमी होना बताया गया। • परिसर में ही बने बी0पी0एम0यू0 कार्यालय का निरीक्षण किया गया, जहां कि काफी अवयवस्थित ढंग से पत्रावलियां आदि रखी हुई मिली एवं पर्याप्त सफाई भी नहीं थी। **आपातकालीन कक्ष –** • कई गंभीर चोटों के मरीज कक्ष में आए थे। उनको जो दवाईया दी जा रही थी उनकी एक्सपायरी अक्टूबर में थी।	दीवार लेखन एवं स्वास्थ्य विभाग से जुडी योजनाओं के प्रचार प्रसार हेतु अन्य पोस्टर आदि भी ओ0पी0डी0 परिसर व चिकित्सालय के अन्य स्थान पर लगाने का प्रभारी चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया। प्रभारी चिकित्साधिकारी से परिसर में व्यापक साफ सफाई हेतु रोगी कल्याण समिति से नियमानुसार सफाई कर्मी को बुलाकर नियमित सफाई कराने हेतु सुझाव दिया गया। बी0सी0पी0एम0 को सभी पत्रावलियां / कागज / रिकार्ड व्यवस्थित रूप में रखने हेतु सुझावित किया गया जिससे भविष्य में कोई भी रिकार्ड प्राप्त करने में असुविधा न हो। राज्य स्तरीय दल द्वारा ड्यूटी पर मौजुद चिकित्सक को दवा एक्सपायरी प्रबन्धन से अवगत कराया गया व तत्काल ऐसी दवाईयों को हटाने हेतु प्रक्रिया प्रारम्भ करने का सुझाव दिया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0 बी0सी0पी0एम0 प्रभारी चिकित्साधिकारी

		• इस्तेमाल की गई सिरिंज आदि इधर–उधर पडी हुई थी।	इस्तेमाल की गई सिरिंज आदि को हब कटर से कटवा कर कलर कोडेड डस्टबिन में डलवाया गया। सम्बन्धित को सिरिंज से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में भी बताया गया।	
		प्रसव कक्ष परिसर – • प्रसव रजिस्टर पर सूचनाए विधिवत अंकित नहीं थी। • एम0सी0टी0एस. संख्या दर्ज नही थी,। रजिस्टर के अंत में मासिक सारांशा प्रपत्र नहीं दिया गया है।	दल द्वारा आपत्ति जताते हुए उपस्थित स्टाफ नर्स एवं नर्स मेंटर को प्रसव रजिस्टर में वाछित समस्त सुचनाओं को विधिवत् एवं समय से भरने हेतु निर्देशित किया गया। इसके साथ ही प्रसव में मासिक सारांश बनाने हेतु निर्देशित किया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी /बी0सी0पी0एम0/स्टाफ नर्स
		• विटामिन **के–1** सप्लाई में न होने के कारण बच्चों को विटामिन के–1 नहीं दिया जा रहा है।	बी0सी0पी0एम0 एवं प्रभारी चिकित्साधिकारी को विटामिन के की सप्लाई न होने एवं उसकी महत्ता के दृष्टिगत रोगी कल्याण समिति से नियमानुसार क्रय किए जाने हेतु सुझाव दिया गया। उपरोक्त के सम्बन्ध में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय को भी अवगत करा दिया गया है।	
		• रेफरल सिस्टम व्यवस्थित रूप से नहीं पाया गया। कम एवं ज्यादा वजन के बच्चों को किस प्रकार से व्यवस्थित रूप से रिफरल कर रिकार्ड रखना है, उपस्थित स्टाफ नर्स को इसकी समुचित जानकारी नहीं थी।	रेफरल रजिस्टर में समस्त आवशयक सुचनाओं को अंकित करते हुए सम्बन्धित रिकार्ड व्यवस्थित रूप से रखने को करने हेतु स्टाफ नर्स को सुझाव दिया गया तथा प्रभारी चिकित्साधिकारी को समस्त स्टाफ नर्स का अभिमुखीकरण कराने हेतु सुझाव दिया गया	
		• लाभार्थी प्रसव सहमति प्रपत्र (Concent Form) पर लाभार्थी के अंगूठे/हस्ताक्षर थे किन्तु प्रपत्र पूर्णतया भरे हुए नहीं थे।	नर्स मेंटर पल्लवी चंद्र को उनके दायित्व के अनुरूप समस्त रिकार्ड शीध्र सही कराने हेतु निर्देशित किया गया जिससे भविष्य में ऐसी गलतियां दुबारा न हो।	
		• अन्तरा गर्भ निरोधक रजिस्टर रिकार्ड व्यवस्थित रूप से नहीं भरा गया था। उसके फालोअप रिकार्ड पर सम्बन्धित व्यक्ति एवं आशा के हस्ताक्षर भी नहीं	रजिस्टर में समस्त आवशयक सूचनाओं को अद्युनात/अंकित करने हेतु सम्बन्धित को सुझाव दिया गया।	

		पाए गए । ● प्रसव कक्ष में गर्भवती महिला की डिलवरी होने के कारण कक्ष का निरीक्षण नहीं किया जा सका। कक्ष का सिर्फ बाहर से ही अवलोकन किया गया – ➢ डिजिटल घडी लगी हुई दिखी। ➢ मातृ स्वास्थ्य सम्बन्धी पोस्टर लगे हुए थे। ➢ कमरे में पंखा तो था, किन्तु काफी उमस और घुटन थीं ➢ प्रसव कक्ष के पास बने शौचालय में साफ सफाई नहीं पाई गई। **जे0एस0वाई वार्ड** ● जे0एस0वाई वार्ड में महिलाएं भर्ती थी। ● कक्ष में साफ सफाई, बेड शीट ठीक पाई गई। ● महिलाओं से बात करने पर ज्ञात हुआ कि उनको जे0एस0एस0के0 डाईट के अन्तर्गत नाश्ता एवं भोजन दिया जा रहा है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी से कक्ष में आवशयकानुरूप रोगी कल्याण समिति के फण्ड से ए0सी0 लगवाने का सुझाव दिया गया प्रसव कक्ष के समीप के शौचालय की सफाई दिन में तीन बार कराने हेतु बी0सी0पी0एम0 को सुझाव दिया गया। दल द्वारा इसकी सराहना की गई तथा इसी प्रकार वयवस्था बनाये रखने हेतु सुझाव दिया गया।	
		कोल्ड चेनः– वर्तमान में कोल्ड चेन कार्य नही कर रही है क्योंकि उसमें रखे आई0एल0आर हाई वोल्टेज के कारण खराब गया है।	आई0एल0आर0 को यथाशीघ्र ठीक कराने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी
		ब्लड बैंकः– हाई वोल्टेज के कारण ब्लड यूनिट फ्रीजर भी खराब हो गया था।	फ्रीजर को यथाशीघ्र ठीक कराने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी
		फैमिली प्लानिंग ● ओ0पी0डी परिसर में विगत विश्व जनसंख्या दिवस पखवाडे के दृष्टिगत परिवार नियोजन से सम्बन्धित आई0ई0सी0 का व्यापक प्रसार किया गया था। ● चिकित्सा इकाई में कोई		प्रभारी चिकित्साधिकारी /बी0सी0पी0एम0/नर्स मेंटर/स्टाफ नर्स

		फैमिली प्लानिंग काउंसलर की नियुक्ति नहीं हुई है। • ओ0पी0डी0 परिसर में कण्डोम बाक्स लगाया गया था, जो कि खाली था। • स्टाफ नर्स द्वारा प्रस्तुत अन्तरा एवं नसबन्दी रजिस्टंर व्यवस्थित रुप से भरा नहीं पाया गया तथा प्रेरक के रूप में लाभार्थी को सेवा दिलाने वाली आशाा के हस्ताक्षर भी नहीं पाए गए।	राज्य स्तरीय दल द्वारा कण्डोम बाक्स में काण्डोम भरवये गये तथा उसके महत्व के बारे में बताते हुए नियमित रूप से भरे जाने हेतु सुझाव दिया गया। राज्य स्तरीय दल द्वारा सम्बन्धित स्टाफ नर्स एवं नर्स मेंटर को रजिस्टर में समस्त आवशयक जानकारी शीध्र अद्यतन किये जाने हेतु सुझाव दिया गया। इस बारे में प्रभारी चिकित्साधिकरी को अवगत कराया दिया गया है।	
		प्रयोगशाला प्रयोगशाला में व्यापक साफ सफाई नहीं पाई गई। लैब टेक्नीशियन द्वारा पी0पी0ई0 का यथोचित प्रयोग नहीं किया जा रहा था।	लैब टेक्नीशियन को साफ–सफाई का महत्व बताया गया। उक्त के साथ ही पी0पी0ई0 के प्रयोग करने के लाभ एवं न प्रयोग करने से होने वाली स्वास्थ्य हानियों के विशाय में बताया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी /लैब टेक्नीशियन
प्रभारी चिकित्साधिकारी – डा0 दिनेश कुमार,				**बी0सी0पी0एम0 – राजीव**
	हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर, नवीन प्राथमिक स्वा0 केन्द्र, गांधी नगर,	• परिसर अभी नया स्थापित हुआ है। • ओ0पी0डी0 परिसर में ही चिकित्सक महोदय की बाईक खडी पाई गई। • पर्याप्त साफ सफाई नहीं मिली न ही पानी की आपूर्ति हो रही है। • लगभग सभी कक्ष खाली एवं अनुपयुक्त हालत में मिले। • हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर हेतु नियत स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से जनमानस को प्रदान की जा रही है। • सेन्टर हेतु निर्धारित दैनिक रिपोर्टिग नियमित रूप से नहीं की जा रही है।	दल द्वारा कडी आपत्ति जताते हुए तुरन्त बाईक बाहर पार्किग में खडी करवाई गई तथा चिकित्सक महोदय को दुबारा ऐसा न करने का सुझाव दिया गया। प्रभारी चिकित्साधिकारी से आर0के0एस फण्ड से सफाई कर्मचारी का प्रबन्ध करने हेतु सुझाव दिया गया जिससे चिकितसा इकाई में साफ सफाई हो सके। प्रभारी चिकित्साधिकारी को दैनिक रिपोर्टिग का महत्व बताते हुए नियमित रूप से पोर्टल पर रिपोर्टिग करने हेतु सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी/ बी0सी0पी0एम0

		• वार्ड में कोई मरीज भर्ती नहीं पाया गया। किन्तु उपयोग की गई सीरिंज और इजेक्शान वहीं टेबल पर पडे मिले।	दल द्वारा उपयोगित सीरिंज और इजेक्शान को तुरन्त हटावाया गया तथा वेस्ट प्रबन्धन हेतु कलर कोडेड डस्टबिन का प्रबन्धन करने का सुझाव दिय गया।	
		• पर्चा बनाने वाले कक्ष में बिजली का मीटर एवं नंगे तार खुले हुए मिले।	दल द्वारा बिजली मीटर यथा स्थान लगवाने एवं खुले तारों की शीध्र फीटिंग करवाने का सुझाव दिया गया जिससे कोई दुर्धटना न हो जाए।	
		• ओ0पी0डी0 परिसर के बाहर उपयोग की गयी दवाईयों के रैपर एवं सीरिंज आदि खुल मे पडे मिले।	परिसर के बाहर उपयोग किये गये दवाईयों के रैपर एवं सीरिंज यथाशीघ्र हटा कर उनके लिए परिसर में ही कलर कोडेड डस्टबिन रखवाने का सुझाव दिया गया, जिससे कोई अन्य संक्रमित न हो जाए।	
		• परिसर में काफी जमीन अनुपयोगित पडी हुई है।	परिसर की खाली जमीन पर हर्बल गार्डेन बनाने का सुझाव दिया गया एवं फूल फल के पौधे लगाने हेतु कहा गया जिसका लाभ आने वाले समय में सभी को मिल सके एवं परिसर भी सुंदर दिखेगा।	
	डा0 निशाा, एल0एम0ओ0/प्रभारी			**बी0सी0पी0एम0 – राजीव**
	नवीन प्राथमिक स्वा0 केन्द्र, गजरौला	• चिकित्सालय परिसर में व्यापक गंदगी फैली हुई थी। • वार्ड में ही झाडू रखी हुई पाई गई।	राज्य स्तरीय दल द्वारा साफ सफाई नियमित रूप से दिन में 03 बारे कराने का सुझाव दिया गया तथा वार्ड में रखी झाडू हटवा्र गई एवं भविष्य में ऐसा न करने को कहा गया।	प्रभारी फार्मासिस्ट/ बी0सी0पी0एम0
		<u>मेडिसिन स्टाक</u> •चीफ फार्मासिस्ट की उपस्थिति में उपलब्ध दवाईयों का स्टाक का अवलोकन किया गया, जो कि रिकार्ड के हिसाब से सही पाया गया।		चिकित्साधिकारी/ फार्मासिस्ट
		•दवाईयां एक्सपायरी सिस्टम के अन्तर्गत रखी गई थी किन्तु ऐसा कोई स्टाक बोर्ड नहीं लगाया गया था जिससे समुदाय को चिकित्सा इकाई में उपलब्ध दवाईयों के बारे में जानकारी मिल सके।	फार्मासिस्ट को मेडिसिन स्टाक बोर्ड/चार्ट बनाने का सुझाव दिया गया।	
		• दवा वितरण कक्ष में कुछ दवाईया उपयोग हेतु निकालने के बाद अव्यवस्थित रूप से पडी हुई पाई गई।	फार्मासिस्ट को सभी दवाईयां व्यवस्थित तरीके से रखने हेतु सुझाव दिया गया। कक्ष में पर्याप्त साफ–सफाई	

		• कक्ष में पर्याप्त साफ सफाई भी नहीं मिली।	कराने हेतु सुझाव दिया गया।	
		प्रसव कक्ष – • लेबर कक्ष की हालत दयनीय पाई गई। • कैलिस पैड पिचके हुए हालत में थे एवं ऐसे ही प्रसव हेतु उपयोग किए जा रहे थे। कैलिस पैड का महत्व तथा उससे जुडी जानकारी के बारे में स्टाफ नर्स को कोई जानकारी नहीं थी। • लेबर टेबल पर गद्दा/रेक्सीन नहीं पडा था, गर्भवती महिलाओं का ऐसे ही प्रसव किया जा रहा था, जो कि जोखिम भरा प्रतीत हो रहा थां • प्रसव कक्ष का शौचालय अत्यधिक गन्दा और चोक था,पूछने पर पता चला कि ऐसा कई दिनों से चल रहा है और सफाई कर्मी इसको साफ नहीं कर रहा है। • कक्ष में रखे प्रसव सम्बन्धी समस्त उपकरणों पर हल्की धूल जमी हुई थी तथा देखने से प्रतीत होता है कि उनको कई दिनों से उबाला/आटोक्लेव तक नही किया गया। • एम0सी0टी0एस. संख्या दर्ज नही थी। रजिस्टर के अंत में मासिक सारांश प्रपत्र नहीं दिया गया था, इस कारण प्रत्येक माह होने वाले प्रसवों का कुल कोई रिकार्ड नहीं था एवं उनको नियमित तौर पर अपडेट नहीं किया जा रहा है। • इसी प्रकार पी0पी0आई0यू0सी0	कक्ष की हालत पर आपत्ति जताते हुए उपस्थित स्टाफ नर्स सुश्री सुमन को प्रसव रजिस्टर में वाछित समस्त सूचनाओं को विधिवत् एवं समय से भरने हेतु निर्देशित किया गया। कैलिस पैड के बारे में नर्स को समझाया गया तथा तुरन्त पम्प का इंतजाम कर उसको फुलाने हेतु सुझाव दिया गया। स्टाफ नर्स से इसका कारण पूछा गया किन्तु कोई संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं होने के कारण राज्य स्तरीय दल द्वारा समस्त तीनों स्टाफ नर्स से स्पष्टीकरण प्राप्त करने हेतु सी0एच0सी0 प्रभारी/फार्मासिस्ट को सुझाव दिया गया। दल द्वारा सफाई कर्मी को बुलाकर इसका स्पष्टीकरण मांगा गया किन्तु कोई संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर चेतावनी देते हुए तुरन्त शौचालय साफ करने हेतु निर्देशित किया गया। स्टाफ नर्स से इसका कारण पूछा गया किन्तु कोई संताशजनक उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। नर्स को तुरन्त समस्त उपकरण मानकानुसार उबाला/आटोक्लेव करने एवं रखने हेतु सुझाव दिया गया। स्टाफ नर्स को एम0सी0टी0एस0 सं0 का महत्व बताते हुए इसको यथाशीघ्र रजिस्टर में दर्ज करने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी/ चिकित्साधिकारी/ स्टाफ नर्स

		डी0 रजिस्टर में भी सूचनाएं विधिवत रूप से अंकित नहीं पाई गई। • सप्लाई न हो पाने के कारण नवजातों को विटामिन के–1 नहीं दिया जा रहा था। • अन्तरा रजिस्टर एवं रिकार्ड कीपिंग दयनीय स्थिति में पाया गया। जिन लाभार्थियों ने अन्तरा साधन अपनाया था एवं जो आशाएं उनको लेकर आई थी, उनका इंसेटिव रिकार्ड भी विधिवत रजिस्टर मे दर्ज नहीं पाया गया।	सम्बन्धित सूचनाएं यथाशाीघ्र रजिस्टर में दर्ज करने का सुझाव दिया जिससे कोइ अनियमितता न हो। विटामिन के की सप्लाई न होने एवं उसकी महत्ता के दृष्टिगत प्रभारी चिकित्साधिकारी को रोगी कल्याण समिति से नियमानुसार क्रय किए जाने हेतु सुझाव दिया गया। सम्बन्धित सूचनाएं यथाशाीघ्र रजिस्टर में दर्ज करने का सुझाव दिया जिससे कोइ अनियमितता न हो।	
डा0 नासीर– प्रभारी चिकित्साधिकारी			राजीव– बी0सी0पी0एम0	
	चिकित्सा इकाई	अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, न्यूरिया	• चिकित्सा इकाई में आई0ई0सी0 का व्यापक प्रचार प्रसार किया गया था। परिसर में सम्बन्धित कार्यक्रम से जुडे पोस्टर लगे हुए दिखे। • लगभग सभी कार्यक्रम से सम्बन्धित जानकारियों का व्यापक प्रचार प्रसार किया गया था तथा नसबन्दी क्षतिपूर्ति धनराशि के बारे में भी यथोचित जानकारी जनमानस हेतु दीवार लेखन के माध्यम से प्रदर्शित की गई थी यथा फैमिली प्लानिंग इंडेमिनिटी स्कीम आदि।	राज्य स्तरीय दल द्वारा किए गए आई0ई0सी0 व व्यापक प्रचार प्रसार की सराहना की गई एवं यथा स्थिति बनाये रखने हेतु सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी/ बी0सी0पी0एम0
		• ओ0पी0डी0 में कण्डोम बाक्स लगा हुआ था, किन्तु उसमें कण्डोम भरे हुए नहीं थे।	दल द्वारा कण्डोम बाक्स में कण्डोम भरवाये गये तथा नियमित रूप से कण्डोम भरे जाने हेतु सम्बन्धित को सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी/ बी0सी0पी0एम0/ स्टोर इंचार्ज
		• जनपद में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के संचालन हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सी0एच0ओ0) की संविदा पर नियुक्ति की गई है। जिनकी चिकित्सालय परिसर में बैठक बुलाई गई थी। • दल को ज्ञात हुआ कि सी0एच0ओ0 द्वारा पोर्टल पर डेली रिपोर्टिंग नहीं की जा रही	दल द्वारा नवनियुक्त सी0एच0ओ0 को अवगत कराया गया कि उनकों पोर्टल पर प्रति दिन रिपोर्टिंग करनी है।	मुख्य चिकित्साधिकारी /अपर मुख्य चिकित्साधिकारी /प्रभारी चिकित्साधिकारी

		है। • सी0एच0ओ0 को पी0बी0आई0 नहीं मिल रहा है।	ए0सी0एम0ओ0–आर0सी0एच0 /मुख्य चिकितसाधिकारी को इस सम्बन्ध में अवगत करा दिया गया है एवं सी0एच0ओ0 को उनके द्वारा किये गये कार्यों के सापेक्ष नियमानुसार पी0बी0आई0 प्रदान करने हेतु सुझाव दिया गया।	
		• मरीजों के जांच हेतु आवश्यक उपकरण नहीं मिले हैं जिसके बिना कार्य सुचारू रूप से नहीं हो पा रहा है।	जब तक एच.डब्ल्यू.सी व्यवस्थित रूप से शुरू नहीं हो जाते है, तब तक मरीजों के जांच हेतु आवश्यक उपकरण ब्लड प्रेशर, थर्मामीटर, स्टेथोस्कोप आदि चिकित्सालय से इश्यू कराने हेतु प्रभारी चिकितसाधिकारी को सुझाव दिया गया।	
		प्रसव कक्ष परिसर – • प्रसव रजिस्टर एवं समस्त रिकार्ड रजिस्टर कवर एवं लेबल किए गए थे।	दल द्वारा समस्त रिकार्ड व्यवस्थित रूप से रखे जाने हेतु सराहना की गई।	प्रभारी चिकित्साधिकारी/ बी0सी0पी0एम0/नर्स मेंटर/स्टाफ नर्स
		• रजिस्टरों में सूचनाए विधिवत अंकित नहीं थी।	रजिस्टर में सम्बन्धित सूचनाए यथाशीघ्र विधिवत अंकित करने हेतु नर्स मेंटर एवं स्टाफ नर्स को निर्देशित किया गया है।	
		• एम0सी0टी0एस. संख्या दर्ज नही थी, रजिस्टर के अंत में मासिक सारांश प्रपत्र नहीं दिया गया, अतः प्रत्येक माह होने वाले कुल प्रसव का रिकार्ड नहीं मिला।	प्रत्येक माह होने वाले कुल प्रसवों का रिकार्ड रजिस्टर पर अंकित करने हेतु सुझाव दिया गया।	
		• विटामिन **के–1** सप्लाई में न होने के कारण नवजातों को नहीं दिया जा रहा है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी को जनपद से विटामिन के की सप्लाई न होने पर उसकी महत्ता के दृष्टिगत रोगी कल्याण समिति से नियमानुसार क्रय किए जाने हेतु सुझाव दिया गया।	
		• रेफरल सिस्टम व्यवस्थित रूप से नहीं पाया गया। कम एवं ज्यादा वजन के बच्चों के रिफरल का कोई रिकार्ड नहीं मिला। उपस्थित नर्स मेंटर एवं स्टाफ नर्स को इसकी समुचित जानकारी नहीं थी।	उपस्थित स्टाफ नर्स एवं नर्स मेंटर को कम वजन एवं ज्यादा वजन के बच्चों को नियमानुसार रेफर करने का सुझाव दिया गया।	
		• नसबन्दी एवं अन्तरा रजिस्टर	नर्स मेंटर रश्मि पाण्डे एवं समस्त स्टाफ नर्स को उनके दायित्व के अनुरूप समस्त	

		व्यवस्थित रूप से नहीं भरा गया था। उसके फालोअप कॉलम पर सम्बन्धित व्यक्ति एवं आशा के हस्ताक्षर भी नहीं पाए गए। किए गए प्रोत्साहन राशि के भुगतान का विवरण भी पूर्णतया दर्ज नहीं पाया गया। • दल द्वारा प्रसव कक्ष का अवलोकन किया गया– ➢ अन्य चिकित्सा इकाईयों की भांति कैलिस पैड पिचके हुए मिले। ➢ 02 टेबल के मध्य पार्टीशन हेतु पर्दे नही थे। ➢ मातृ स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन साधन सम्बन्धी पोस्टर लगे हुए थे। ➢ कक्ष में ए0सी0 लगा हुआ था एवं साफ सफाई थी। ➢ प्रसव कक्ष के पास बने शौचालय में व्यापक साफ सफाई नहीं पाई गई। ➢ समस्त आवश्यक उपकरण एवं दवाईयों पर लेबलिंग की गई थी, किन्तु 07 ट्रे व्यवस्था नहीं थी। ➢ कक्ष में रेडियो वार्मर मशीन लगी हुई थी,जो कार्य कर रही थी।	रिकार्ड शीघ्र सही कराने हेतु निर्देशित किया गया है, जिससे भविष्य में ऐसी गलतियां दुबारा न हो। • दल द्वारा कैलिस पैड का महत्व बताते हुए तुरन्त पम्प मंगवाकर कैलिस पैड फूलाने हेतु सुझाव दिया गया। • 02 टेबल के मध्य पार्टीशन हेतु पर्दे का इंतजाम करने का कहा गया है। बजट न होने की स्थिति में रोगी कल्याण समिति से नियमानुसार पर्दे क्रय किए जाने हेतु सुझाव दिया गया। प्रसव कक्ष के पास बने शौचालय में साफ सफाई कराने हेतु सुझाव दिया गया। 7 ट्रे की व्यवस्था तुरन्त कराने हेतु प्रभारी चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया।	
		कोल्ड चैन कोल्ड चैन में लगी आई0एल0आर0 मशीन कार्य ठीक प्रकार से कार्य नहीं कर रही है, जबकि कुछ दिन पूर्व ही उसको ठीक कराया गया है।	मशीन को यथा शीघ्र ठीक कराने हेतु सुझाव दिया गया है, जिससे उसका लाभ जनमानस को मिल सके।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0
		102 एम्बूलेंस परिसर में 102 एम्बूलेंस सं0 UP41 G 2587 खड़ी थी, किन्तु उसका चालक वहां पर उपस्थित नही था एवं न ही किसी को पता था कि वह कहा गया है। अतः एम्बूलेंस का निरीक्षण नहीं किया जा सका।	दल द्वारा आपत्ति जताते हुए चालक से रिपोर्ट मांगने को कहा गया तथा गाड़ी के पास ही रहने को सम्बन्धित को निर्देशित किया गया जिससे किसी आपातकालीन स्थिति में मरीज को तुरन्त एम्बूलेंस सेवा मिल सके।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0

	हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर, उपकेन्द्र स्वा0 केन्द्र, टॉडा विजेंसी,	टीम द्वारा सी0एच0ओं के साथ उपकेन्द्र का भ्रमण किया गया– • उपकेन्द्र बंद हो चुका था। वहां कोई उपस्थित नही था। • उपकेन्द्र का परिसर काफी बड़ा था। • कुछ दरवाजे एवं ताले टूटे हुए पाए गए तथा खिड़कियों के शीशे भी टूटे थे।	राज्य स्तरीय दल द्वारा समस्त कमियों को दूर करते हुए सेन्टर यथाशीघ्र संचालित करने का सुझाव दिया गया। उक्त के सम्बन्ध में अपर मुख्य चिकितसाधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि अभी जनपद में उपकेन्द्र स्तरीय हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर के भवन को निर्माण एजेन्सी, द्वारा हैण्डओवर नही किया गया है।	अपर मुख्य चिकित्साधिकारी। प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0
		• परिसर में ही पड़े टायर एवं टूटे बतनों में बरसाती पानी एवं जिससे मच्छर के लार्वा थे। • परिसर में ही काफी आई0ई0सी सामग्री, किताबें इत्यादि खुले और धूल में पड़े हुए थे।	दल द्वारा परिसर में ही पड़े टायर एवं टूटे बतनों को हटवाया गया जिससे बीमारी न फैल सके एवं भविष्य में ऐसा न हो, इसका ध्यान रखने को कहा गया।	
	हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर, टंडोला	टीम द्वारा सी0एच0ओं के साथ उपकेन्द्र का भ्रमण किया गया– • उपकेन्द्र बंद था तथा वहां कोई उपस्थित नही था। • अभी तक सेन्टर सी0एच0ओ को संचालन हेतु हैण्ड ओवर नहीं किया गया था।	उपरोक्त	प्रभारी सी0एच0ओ / बी0सी0पी0एम0
	आर0बी0एस0के0 टीम पर्यवेक्षण, स्थान– प्राथमिक विद्यालय, उमरसड, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ललौरी खेड़ा।	• टीम द्वारा बी0सी0पी0एम एवं ब्लाक के साथ आर0बी0एस0के0 टीम का भ्रमण किया गया। • विद्यालय स्थल पर टीम –1, डा0, फार्मासिस्ट तथा स्टाफ नर्स उपस्थित थी। • डाक्टर, फार्मासिस्ट तथा स्टाफ नर्स अपने ड्रेस में नहीं थे। • प्रत्येक माह में एक बार टीम विद्यालय का भ्रमण करती है। • विद्यालय में कुल 208 छात्र छात्राएं पंजीकृत है, जिसमें 130 उपस्थित थे। • टीम के पास आवश्यक उपकरण– बी0पी0 मशीन, स्टेथोस्कोप वजन मशीन,टार्च इत्यादि उपलब्ध थी एवं सही हालत में थे। • विद्यालय में, बच्चों की सामान्य जांच – लंबाई, वजन, आंख व	टीम को अपने ड्रेस (एप्रेन) में ही विद्यालय का भ्रमण हेतु सुझाव दिया गया ,जिससे टीम को पहचाना जा सके। विद्यालय में उपस्थित अध्यापक से पता करने पर वह टीम के कार्य से संतुष्ट दिखे एवं बताया कि टीम नियमित उनके विद्यालय में बच्चों के उपचार हेतु आती है।	बी0सी0पी0एम0 / बी0पी0एम0 / आर0बी0एस0के0 टीम

		दांत आदि की जांच की जा रही थीं • दवाईयां झोले में रखी गई थी, जिसको चेक किया गया, कुछ दवाईयां जो अगले माह एक्सपायरी होने वाली थी वह भी रखी मिली। • वार्षिक माइक्रोप्लान टीम के पास उपलब्ध था, एवं टीम प्लान के मुताबिक विद्यालय का भ्रमण कर रही थी।	• राज्य स्तरीय दल द्वारा सम्बन्धित बी0सी0पी0एम0 को आर0बी0एस0के0 टीम को मेडिसिन बाक्स उपलब्ध कराने को कहा गया, जिससे दवाईयों को ठीक से रखा जा सके। • टीम को मानकनुसार, अगले माह एक्सपायर होने वाली दवाओं को अलग रखने एवं नियमित रूप से दवाई चेक करते रहने हेतु सुझाव दिया गया। • आर0बी0एस0के0 टीम को बच्चों को नियमित हैण्ड वॉश हेतु अभिमुखीकृत करने का सुझाव दिया गया, जिससे वह हेल्थ और हाइजिन के महत्व समझ सकें।	
	टीकाकरण अभियान, ग्राम गलछुईयां, ब्लॉक ललौरी खेड़ा।	• टीकाकरण स्थल पर ए0एन.एम. सुश्री पूनम देवी उपस्थित थी तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित थीं • आशा सुश्री किरण देवी उपस्थित नही थी वह क्षेत्र में गई थीं • आर.सी.एच. रजिस्टर पूर्ण नहीं था तथा फटा हुआ था। • टीकाकरण रिकार्ड अलग से प्रदान की गई शीट पर भी अंकन किया जा रहा था। • ड्यूलिस्ट के अनुसार सम्बन्धित दिवस में टीकाकरण हेतु कुल चिन्हित 7 बच्चे एवं 3 गर्भवती महिलाये थी। उक्त के सापेक्ष 3 बच्चों को टीका लगाया जा चुका था एवं 4 बच्चों को आशा बुलाने गयी थी। 3 महिलाओं के सापेक्ष 2 महिलाओं को द्वितीय ए0एन0सी0 की सेवाये प्रदान की जा चुकी थीं।	राज्य स्तरीय दल द्वारा रजिस्टर की बाईंडिग कराने एवं समस्त रिकार्ड यथोचित प्रकार से भरने का सुझाव दिया गया। अलग से टीककारण का रिकार्ड दर्ज करने का क्या कारण है, इसका कोई संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। सम्बन्धित बी0सी0पी0एम0 को सुझाव दिया गया कि कि अतिरक्ति सत्रों का आयोजन उन्हीं स्थानों पर किया जाये जहाँ टीकाकरण हेतु लक्ष्य अधिक हो।	बी0पी0एम0 / ए0एन0एम0 / आशा

	मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय बैठक,		मुख्य चिकित्साधिकारी महोदया एवं अपर मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय द्वारा राज्य स्तरीय दल द्वारा उपकेन्द्र एवं ब्लाक स्तरीय समस्त चिकित्सा इकाईयों के सर्वेक्षण के सापेक्ष शेयर दिए गए अवलोकन एवं चर्चा किए गए बिन्दुओं पर आवश्यक, कार्यवाही कर उनके निस्तारण का आश्वासन दिया।	मुख्य चिकित्साधिकारी / अपर मुख्य चिकित्साधिकारी

भ्रमण के अन्तिम दिवस मुख्य चिकित्साधिकारी एवं अपर मुख्य चिकित्साधिकारी जनपद पीलीभीत को राज्य स्तरीय दल द्वारा अपने 03 दिवसीय सपोर्टिव सुपरविजन के दौरान, भ्रमण की गई समस्त चिकित्सा इकाईयों, एन0डी0डी0 मॉक राउंड एवं वी0एच0एन0डी0 सत्रों के उपरोक्त अवलोकन बिन्दुओं से अवगत कराया गया। उक्त के साथ ही परिवार नियोजन कार्यक्रम के अन्तर्गत मिशन परिवार विकास जनपद के दृष्टिगत, अभी तक जनपद स्तर पर नई पहल किट का क्रय एवं उपकेन्द्र स्तर तक कण्डोम बाक्स की स्थापना न होने तथा सास बहू सम्मेलन के आयोजन के सम्बन्ध में अद्यतन स्थिति से भी अवगत कराया गया। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा आश्वासन दिया गया कि अवगत कराये गये अवलोकन बिन्दुओं के सापेक्ष यथाशीघ्र सुधारातमक कार्यवाही कर राज्य स्तर को अवगत करा दिया जायेगा।

....

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

1. **जिलाधिकारी/अध्यक्ष, जिला स्वास्थ्य समिति,**
   जनपद पीलीभीत।

2. **मुख्य चिकित्साधिकारी,**
   जनपद पीलीभीत ।

03.10.2019

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2019–20/ दिनांकः .09.2019

विषयः– राज्य स्तरीय दल द्वारा जनपद पीलीभीत में दिनांक 04–06 सितम्बर, 2019 में किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की आख्या पर कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया एस0पी0एम0यू0 कार्यालय पत्र सं0 SPMU/NHM/M&E/2019-20/18/2867-2 दिनांक 01-07-2019 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। जिसके क्रम में, राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक **04–06 सितम्बर 2019** तक जनपद पीलीभीत की चिकित्सा इकाईयों का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया गया। राज्य स्तरीय दल द्वारा जनपद में ब्लाक एवं उपकेन्द्र स्तर की चिकित्सा इकाईयों का स्थलीय पर्यवक्षण के दौरान प्रकाश में आये बिन्दुओं के आधार पर भ्रमण आख्या प्रस्तुत की गयी है जो कि पत्र के साथ संलग्न कर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

आपसे अनुरोध है कि सम्बन्धित बिन्दुओं पर आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नकः पर्यवेक्षण आख्या।

भवदीया

(जसजीत कौर)
अपर मिशन निदेशक

5771-2 (5)

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2019–20 तद्दिनांक

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित–

1. मण्डलायुक्त, बरेली मण्डल, उ0प्र0।
2. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, बरेली मण्डल।
3. अधिशासी अभियन्ता, समस्त महाप्रबन्धक/अनुभागाध्यक्ष, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, उ0प्र0।
4. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक/रीजनल मैनेजर (आशा) एन0एच0एम0, बरेली मण्डल को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
5. जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, पीलीभीत को पर्यवेक्षण आख्या के सापेक्ष आवशयक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(विवेक दिवेद्वी)
महाप्रबन्धक प्रोक्योरमेंट/
मण्डलीय नोडल अधिकारी